MED 008

ENVIRONMENT AND GLOBALISATION

MOST IMPORTANT TOPICS FOR YOUR EXAMS

# Describe toxic waste and their disposal.

Toxic waste refers to hazardous waste materials that can cause significant harm to human health and the environment. Proper disposal of toxic waste is critical to prevent contamination and adverse effects.

Definition of Toxic Waste:

Toxic waste includes substances that are harmful, poisonous, or potentially lethal to humans and other living organisms. Examples include industrial chemicals, pesticides, heavy metals, and radioactive materials.

विषाक्त कचरा उन पदार्थों को शामिल करता है जो मनुष्यों और अन्य जीवित जीवों के लिए हानिकारक, जहरीले या संभावित रूप से घातक होते हैं। उदाहरणों में औद्योगिक रसायन, कीटनाशक, भारी धातुएं और रेडियोधर्मी सामग्री शामिल हैं।

Sources of Toxic Waste:

Common sources include industrial processes, agricultural activities, medical facilities, and households. Factories, farms, hospitals, and homes can all generate various forms of toxic waste.

सामान्य स्रोतों में औद्योगिक प्रक्रियाएं, कृषि गतिविधियां, चिकित्सा सुविधाएं और घरेलू कचरा शामिल हैं। कारखाने, खेत, अस्पताल और घर विभिन्न प्रकार के विषाक्त कचरे का उत्पादन कर सकते हैं।

Health and Environmental Impact:

Exposure to toxic waste can lead to severe health issues such as cancer, neurological disorders, respiratory problems, and reproductive issues. It can also contaminate soil, water, and air, affecting ecosystems.

विषाक्त कचरे के संपर्क में आने से कैंसर, तंत्रिका संबंधी विकार, श्वसन समस्याएं और प्रजनन संबंधी समस्याएं जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। यह मिट्टी, पानी और हवा को भी प्रदूषित कर सकता है, जिससे पारिस्थितिक तंत्र प्रभावित होते हैं।

## Disposal Methods:

Landfills:

Specially designed hazardous waste landfills are used to isolate toxic waste from the environment. These landfills have liners and leachate collection systems to prevent contamination.

Scholarly Minds

विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए खतरनाक कचरे के लैंडफिल का उपयोग विषाक्त कचरे को पर्यावरण से अलग करने के लिए किया जाता है। इन लैंडफिल में प्रदूषण को रोकने के लिए लाइनर और लीचेट संग्रह प्रणाली होती है।

Incineration:

Toxic waste can be incinerated at high temperatures to reduce its volume and toxicity. However, this method can release harmful emissions if not properly controlled.

विषाक्त कचरे को उच्च तापमान पर जला कर इसकी मात्रा और विषाक्तता को कम किया जा सकता है। हालांकि, यदि इस विधि को ठीक से नियंत्रित नहीं किया गया तो इससे हानिकारक उत्सर्जन हो सकता है।

Chemical Treatment:

Chemical processes are used to neutralize or convert toxic substances into less harmful ones. This can involve precipitation, oxidation, reduction, or other chemical reactions.

रासायनिक प्रक्रियाओं का उपयोग विषाक्त पदार्थों को तटस्थ या कम हानिकारक पदार्थों में बदलने के लिए किया जाता है। इसमें अवक्षेपण, ऑक्सीकरण, अपचयन या अन्य रासायनिक प्रतिक्रियाएं शामिल हो सकती हैं।

Bioremediation:

The use of microorganisms to break down toxic waste into non-toxic or less toxic substances. This method is often used for soil and water decontamination.

विषाक्त कचरे को गैर-विषाक्त या कम विषाक्त पदार्थों में तोड़ने के लिए सूक्ष्मजीवों का उपयोग। इस विधि का उपयोग अक्सर मिट्टी और पानी के प्रदूषण को दूर करने के लिए किया जाता है।

## Explain green business and state as how you can make money and protect the environment at the same time.

A green business focuses on sustainability and environmentally friendly practices while still being profitable.

Key Aspects of Green Business:

Sustainable Practices:

Green businesses implement practices that reduce their environmental impact, such as using renewable energy, recycling, and reducing waste.

ग्रीन बिज़नेस ऐसी प्रथाओं को अपनाते हैं जो उनके पर्यावरणीय प्रभाव को कम करती हैं, जैसे नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग, पुनर्चक्रण, और कचरे को कम करना।

Eco-friendly Products:

Scholarly Minds

They offer products that are environmentally friendly, made from sustainable materials, and have minimal environmental impact.

वे पर्यावरण के अनुकूल उत्पाद प्रदान करते हैं, जो स्थायी सामग्री से बने होते हैं और जिनका पर्यावरणीय प्रभाव न्यूनतम होता है।

Energy Efficiency:

Green businesses focus on improving energy efficiency in their operations, which helps in reducing their carbon footprint.

ग्रीन बिज़नेस अपने संचालन में ऊर्जा दक्षता में सुधार पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे उनके कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में मदद मिलती है।

Corporate Social Responsibility (CSR):

They engage in CSR activities that support environmental sustainability, such as planting trees, supporting conservation projects, and educating the public.

वे पर्यावरणीय स्थिरता का समर्थन करने वाली सीएसआर गतिविधियों में शामिल होते हैं, जैसे पेड़ लगाना, संरक्षण परियोजनाओं का समर्थन करना और जनता को शिक्षित करना।

## Making Money While Protecting the Environment:

Waste Management and Recycling:

Creating a business that focuses on recycling and waste management can turn waste into valuable resources, reducing landfill use and generating revenue.

एक ऐसा व्यवसाय बनाना जो पुनर्चक्रण और कचरा प्रबंधन पर केंद्रित हो, कचरे को मूल्यवान संसाधनों में बदल सकता है, लैंडफिल के उपयोग को कम कर सकता है और राजस्व उत्पन्न कर सकता है।

Eco-friendly Products:

Selling eco-friendly products, such as biodegradable packaging, organic clothing, and sustainable household items, caters to the growing demand for green products.

पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों जैसे बायोडिग्रेडेबल पैकेजिंग, ऑर्गेनिक कपड़े और स्थायी घरेलू सामानों को बेचना हरे उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करता है।

Green Building and Construction:

Developing energy-efficient, sustainable buildings can attract eco-conscious buyers and tenants, and often comes with tax incentives and lower operating costs.

ऊर्जा-कुशल, स्थायी भवनों का विकास पर्यावरण के प्रति जागरूक खरीदारों और किरायेदारों को आकर्षित कर सकता है, और अक्सर कर प्रोत्साहन और कम परिचालन लागत के साथ आता है।

Scholarly Minds

Green Transportation:

Investing in electric vehicles (EVs) or providing green transportation services can tap into the growing market for sustainable mobility solutions.

इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) में निवेश करना या हरी परिवहन सेवाएं प्रदान करना, स्थायी गतिशीलता समाधानों के लिए बढ़ते बाजार में प्रवेश कर सकता है।

By integrating sustainability into business models, companies can meet the increasing demand for green products and services, reduce operational costs, and contribute to environmental protection, all while generating profits.

Scholarly Minds